साई के उजालो, मेरे साई के उजालो
साई के उजालो,
मेरे साई के उजालो .
आँखों में समिट आओ
अंधेरो को निकालो ..

महफ़िल में तेरी आये
तो हम एक हुए हैं .
रस्ते पे तेरे चल के
सभी नेक हुए हैं .
हर पग पे सम्भाला है
तो आगे भी संभालो ..
साई के उजालो ....

बरसों से तुम्हें दिल
की नज़र से ढूंढ़ रही है .
जिस घर में छिप हो
वो ही घर ढूंढ़ रही है .
परदों से निकलकर
मुझे आँचल में छिपालो ..
साई के उजालो ....

दुनिया का अजब हाल
है इंसान के हाथों .
ऐसा तो न होगा कभी
शैतान के हाथों .
अब चाहो तो आकाश पे
धरती को उठालो ..
साई के उजालो ....

साई के उजाले मेरे साई